अवस्थाएँ और श्रेणियां (स्टेजिंग एवं ग्रेडिंग)

अवस्थाएँ

कैन्सर की अवस्था कैन्सर के आकार और उसके मूल स्थान से हुए प्रसार को दर्शाती है। इसके बारे में जानकारी आपको और आपके डॉक्टर को आपके लिये सर्वोत्तम प्रकार की चिकित्सा का चुनाव करने में सहायक होती है। ऑपरेशन से पहले सही अवस्था को अचूक रूप से जान पाना सम्भव नहीं होता है।

टीएनएम अवस्था

टीएनएम स्टेजिंग प्रणाली से कैन्सर की सही अवस्था का पता चल जाता हैः–

- **टी** गाँठ के माप का वर्णन करता है
- **एन** बताता है कि कैन्सर लसिका ग्रंथियों तक पहुँचा है या नहीं और यदि हाँ तो कौन सी ग्रंथियाँ प्रभावित हुई हैं। उदाहरण के लिये एनओ (NO) का मतलब है कि लसिका ग्रंथियाँ प्रभावित नहीं हुई हैं और एन1 (N1) का मतलब है कि एक से तीन तक लसिका ग्रंथियाँ प्रभावित हैं।
- **एम** से पता चलता हैकि कैन्सर शरीर के अन्य भाग में भी फैल गया है या नहीं। जैसे, एम0 का मतलब हैकि कैन्सर शरीर के अन्य भाग में नहीं फैला है।

नम्बर स्टेज

स्तन कैन्सर को संख्या के हिसाब से भी चार अवस्थाओं (स्टेज) में बाँटा जा सकता है। हमने इन्हें एक सारणी में रखा है ताकि समझने में आसानी हो।

यह पुस्तिका स्टेज 1 से स्टेज 3 के स्तन कैन्सर के लिए है।

स्टेज 1 या 2 के कैन्सर को प्रायः प्राथमिक अवस्था का कैन्सर कहा जाता है	
स्टेज 1	इस अवस्था में कैन्सर की गाँठ 2 से.मी. या उससे छोटी होती है और यह कांख/बगल की लसिका ग्रंथियों तक फैली नहीं होती
स्टेज 2 को	दो अवस्थाओं में बांटा गया है
स्टेज 2ए	कैन्सर की गाँठ 2 से.मी. या उससे छोटी होती है किन्तु वह कांख/बगल की लसिका ग्रंथियों तक फैल चुकी होती है या कैन्सर की गाँठ 2 से.मी से बड़ी होती है किन्तु वह कांख की लसिका ग्रंथियों तक फैली नहीं होती या

	कैन्सर की गाँठ स्तन में न होकर स्तन के पास की लसिका ग्रंथियों में होती है
स्टेज 2 बी	कैन्सर की गाँठ 5 से.मी. से छोटी होती है और वह कांख/बगल की लसिका ग्रंथियों तक फैल चुकी होती है या कैन्सर की गाँठ 5 से.मी. से बड़ी होती है किन्तु वह लसिका ग्रंथियों तक फैली नहीं होती
स्टेज 3 को तीन अवस्थाओं में बाँटा गया है। इसे प्रायः स्थानीय रूप से प्रगत (Locally Advanced) स्तन कैन्सर भी कहा जाता है	
स्टेज 3 ए	कैन्सर की गाँठ स्तनों में न होकर कांख/बगल की लसिका ग्रंथियों में होती है या कैन्सर की गाँठ 5 से.मी. से छोटी होती है और वह कांख/बगल की लसिका ग्रंथियों में फैल चुकी होती है या कैन्सर की गाँठ 5 से.मी. से बड़ी होती है और वह लसिका ग्रंथियों तक फैल चुकी होती है
स्टेज 3 बी	कैन्सर स्तनों के आसपास के ऊतकों तक फैल चुका होता है यह त्वचा या मांसपेशीयों से चिपका होता है और कांख की लसिका ग्रंथियों तक फैला होता है
स्टेज 3 सी	कैन्सर दस से अधिक लसिका ग्रंथियों को प्रभावित कर चुका होता हैः कांख/बगल में, छाती की हड्डियों के नीचे, कॉलर बोन (गर्दन के पास की हड्डी) के पास या नीचे
स्टेज 4 के कैन्सर को सेकण्डरी या मेटास्टाटिक कैन्सर भी कहते हैं	
स्टेज 4	इस अवस्था में कैन्सर शरीर के अन्य भागों जैसे यकृत, हड्डियाँ या फेफडों तक फैल चुका होता है

यदि आपको स्टेज 4 का कैन्सर हो तो स्तन के फैले हुए कैन्सर पर हमारी पुस्तिका आपको सहायक होगी।

श्रेणी (ग्रेडिंग)

कैन्सर की श्रेणी से पता चलता है कि वह कितनी तीव्र गति से बढ़ सकता है। माईक्रोस्कोप के नीचे सामान्य कोशों की तुलना में कैन्सर के कोशों का स्वरूप कैसा है उसके आधार पर श्रेणी का निर्धारण होता है। श्रेणी को जान लेने से आपके डॉक्टर को ऑपरेशन के बाद आपके लिये चिकित्सा के प्रकार के चयन में आसानी होती है।

श्रेणी 1 या निम्न श्रेणी

कैन्सर के कोश सामान्य कोशों जैसे ही दिखाई देते हैं और बहुत धीमी गति से बढ़ते हैं। इन कोशों के फैलने की संभावना कम होती है।

श्रेणी 2 या मध्यम श्रेणी

कैन्सर के कोश ज्यादा असामान्य नजर आते हैं और श्रेणी 1 की अपेक्षा अधिक तीव्र गति से बढ़ते हैं।

श्रेणी 3 या उच्च श्रेणी

कैन्सर के कोश बहुत ही असामान्य दिखाई देते हैं और वे वह अन्य दो श्रेणीयों की अपेक्षा बहुत अधिक तीव्र गति से बढ़ते हैं।